प्रकाशनार्थ - 01 मई 2016, प्रभु प्रेमी संघ कुंभ शिविर उज्जैन

<u>श्री रामकथा मानस महाकाल का विराम दिवस</u>

01 मई, उज्जैन । जूनापीठाधीश्वर आचार्यमहामण्डलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि जी महाराज के पावन सानिध्य में आयोजित प्रभु प्रेमी संघ शिविर में आहूत श्री राम कथा "मानस महाकाल" के अवसर पर व्यासपीठ से इस नव दिवसीय कथा का केंद्र बिंदु मानस महाकाल रहा है। किसी साधु की प्रसन्नता मिल जाना बड़ी उपलब्द्धि है। ये कोई और बात है कि कोई खामोश खड़े होते है। जो बड़े होते वो बड़े ही होते।

अपने चिर परिचित शायराना अंदाज में बापू कहते है कि बड़ा अजीब है सिलसिला उसकी मोहब्बत का ना उसने कैद में रखा और ना हम फरार हो पाये। व्यास कथा को नहीं चलाता कथा व्यास को चलाती है। वक्ता की कथा के पीछे किसी बुद्ध पुरुष का मौन बोलता है। ऐसा कभी नहीं हुआ की कथा का अंतिम दिवस है और मैं भगवान् राम का प्राकट्य नहीं करा पाया। भगवान मुझ से कह रहे है आज तो मेरा प्राकट्य करा दो मैं भी कुम्भ स्नान कर लूँ। मेरी मानसिकता ही नहीं बन रही में राम जन्म करा नहीं पा रहा हूँ। मेरे लिए प्रार्थना करें कि मैं महाकाल के मंदिर से बाहर निकल पाऊँ। जगत जब भी मिलता है अधूरा ही मिलता है परमात्मा जब भी मिलता है पूरा ही मिलता है। भक्ति अपनी गोद के अनुकूल सब को बना लेती है। सत्य का निवास स्थान है जीभ ; प्रेम का निवास स्थान है इंसान का ह्रदय ; करुणा का निवास स्थान है इंसान की आंखे। सत्य नियम नहीं व्रत है। नियम रखे जाते है व्रत अंदर से उभरता है , प्रकाश की यात्रा का यात्री बने व्यक्ति अँधेरे की यात्रा का नहीं। मोक्ष मन की स्थिति है और मन को बोध होगा भागवत कथा से। और जब मन को बोध होगा तब कोई भी घटना विचलित नहीं करेगी। मोक्ष के लिए मरने की जरुरत नहीं , बहुत सावधानी से जीने की जरुरत है। राम नाम जपने वाला दूसरों का पोषक बने शोषक नहीं। राम नाम जपने वाले को चाहिए की किसी के प्रति शत्रुता का भाव न रखे , राम नाम जपने वाला अपनी हैसियत के अनुसार दूसरों का आधार बनें। दुनिया को प्रभावित करना आसान है पर दुनिया को प्रकाशित करना बहुत मुश्किल है। अगर आपका लक्ष्य बड़ा हो और उस पर हंसने वाले कोई न हो तो समझना लेना की अभी आपका लक्ष्य बहुत छोटा है।सत्य बौद्धिक नहीं होना चाहिए बल्कि सत्य हार्दिक होना चाहिए। ज्यादा सुखी होने से ही विपत्ति का जन्म होता है। असफल होना गुनाह नहीं है बल्कि सफलता के लिए उत्साह न होना गुनाह है। आनंद की अंतिम सीमा आंसू है।

कथा विराम के अवसर पर जूनापीठाधीश्वर आचार्यमहामण्डलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि जी महाराज ने पूज्य मोरारी बापू का अखाड़े की ओर से, साधु समाज की और से अभिनंदन किया। राम नाम की महिमा बताते हुए कहा राम इस देश का चरित्र है, भारत की भोर का प्रथम स्वर ही राम है । बापू की कथा चिरकालीन यात्रा है आज कथा का शिथिलीकरण है।

श्री रामकथा के शुभ अवसर शिविर प्रमुख एवं कथा यजमान विनोद अग्रवाल जी ने पोथी पूजन किया, प्रभु प्रेमी संघ शिविर की अधिशासी प्रभारी पूज्या महामण्डलेश्वर स्वामी नैसर्गिका गि रि जी, स्वामी चिदानंद सरस्वती मुनि जी, महामण्डलेश्वर पायलट बाबा, श्री पुंडरिक गोस्वामी जी, स्वामी नचिकेता गिरि जी, बड़ी संख्या में संत समाज संरक्षक पुरुषोत्तम अग्रवाल जी , समन्वयक संजय अग्रवाल जी उपस्थित रहे।

।।पञ्च महाभूत सनातनी राष्ट्रीय विमर्श।।

जूनापीठाधीश्वर आचार्यमहामण्डलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि जी महाराज के पावन सानिध्य में आयोजित प्रभु प्रेमी संघ शिविर में आज 50 से अधिक प्रतिष्ठित पर्यावरणविद, शोध विशेषज्ञ, सामाजिक संगठन, वैज्ञानिक, संस्कृतिविद, कार्पोरेट सेक्टर विशेषज्ञ एवं धर्म विज्ञान विशेषज्ञों द्वारा पंचमहाभूत सनातनी राष्ट्रीय विमर्श का आयोजन किया गया जिसमे विशेषज्ञों द्वारा दृष्टी पत्र का निर्माण एवं पंचमहाभूत संतुलन घोषणा पत्र का अनुमोदन प्रस्तुत किया गया।

12 वर्ष पूर्व सिंहस्थ कुम्भ 2004 में विक्रम विश्वविद्यालय के प्रोफेसर राम राजेश मिश्र ने पूज्य आचार्य श्री के सम्मुख एक जल घोषणा पत्र जारी किया था। जिस पर उज्जैन के विद्वानों , समाजसेवियों, टेक्नोक्रेट्स, ब्यूरोक्रेट्स तथा क्षिप्रा के किनारे बसे ग्राम वासियों ने कार्य किया तथा 500 सरोवर बनवाये तथा 50000 हज़ार वृक्षों का रोपण और संरक्षण किया। उसी कार्य को आज पूज्य आचार्य श्री के सामने संक्षेप में प्रस्तुत किया गया।

जिस पर आचार्य श्री ने कहा कि अ ब आप कारकतत्व हैं ऐसी पारसमणि है जिसके स्पर्श से सभी प्रसन्नता प्राप्त करते हैं। 12 वर्षो का अंतराल एक युग का सूचक है। आपने विचार को सहेजा और उसका क्रियान्वयन किया। मै हृदय से आपका आभारी हूँ। अब आप क्षिप्रा से निकलकर पूरे भारत के हो जाइये।

03 मई तक चलने वाले इस राष्ट्रीय विमर्श का यह आयोजन मित्र भारत, नव संवत् नव विचार , जल संस्कृति परिषद, विश्व तीर्थ परिषद जैसी सहयोगी संस्थाओ के माध्यम से किया गया।

।। शर्मा बंधुओ की भजन संध्या ।।

जूनापीठाधीश्वर आचार्यमहामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानन्द गिरि जी महाराज के पावन सानिध्य में आयोजित प्रभु प्रेमी संघ शिविर उज्जैन के सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक मंच पर आज 1 मई को मालवांचल के सुप्रसिद्ध गायक शर्मा बंधुओं राजीव शर्मा, मुकेश शर्मा, शैलेश शर्मा एवं मिथिलेश शर्मा ने सुमधुर भजनों की प्रस्तुति दी। संध्या की शुरुआत रससिद्ध गणपति वंदना “गाइए गणपति जगवंदन” से हुई फिर रुचिर रसना तू राम क्यों न रटत, विनय पत्रिका से लाड लाडले लखन जैसी लक्ष्मण स्तुति, जप

ले शिव शंभू का नाम, श्याम मोहि चाकर राखो री, हे दुःख भंजन मारुती नंदन पवनसुत विनती बारंबार, राम कहो श्री राम कहो सहित कई भजन सुनाकर श्रोताओं को मंत्र मुग्ध कर दिया । रात्रि 8:30 बजे से शुरू हुआ भजनों का सिलसिला 10:30 बजे तक चला । कार्यक्रम में पूज्य आचार्यश्री, प्रभु प्रेमी संघ की अधिशासी प्रभारी महामंडलेश्वर नैसर्गिका गिरि जी, स्वामी नचिकेता गिरि जी, शिविर प्रमुख विनोद अग्रवाल जी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

।।रास पंचाध्यायी।।

जूनापीठाधीश्वर आचार्यमहामण्डलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि जी महाराज के पावन सानिध्य में आयोजित प्रभु प्रेमी संघ शिविर में श्री कृष्ण की दिव्य लीला पर आधारित रास पंचाध्यायी का श्रीमन्माधवगौड़ेश्वर वैष्णवाचार्य श्री पुंडरिक गोस्वामी जी महाराज के श्रीमुख से 2 मई से 6 मई 2016 तक दोपहर 3 बजे से सायं 6 बजे तक किया जायेगा जिसमे श्री गोस्वामी जी द्वारा भागवत पुराण के दशम स्कंध के उनतीसवे अध्याय से तैंतीसवे अध्याय तक के पांचो अध्यायों का रससिद्ध विश्लेषण किया जायेगा इसमें दिव्य कृष्ण लीला के माध्यम से प्रेम और समर्पण की प्रतिष्ठा की गई है । वैष्णव भक्ति के समर्पण भाव को स्थापित करने वाला यह प्रधान प्रसंग है।

।। पंचायतन सहित पंचवेद परायण तथा यज्ञ।।

जूनापीठाधीश्वर आचार्यमहामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानन्द गिरि जी महाराज के पावन सानिध्य में आयोजित प्रभु प्रेमी संघ शिविर उज्जैन में नित्य प्रतिदिन पंचायतन सहित पंचवेद परायण तथा यज्ञ अनुष्ठान कार्यक्रम चल रहा है जिसमें वैदिक ब्राह्मणों द्वारा वेदों का सस्वर परायण एवं स्वाहाकार यज्ञ वेदमूर्ति सच्चिदानंद गाडगीळ के आचार्यत्व में किया जा रहा है। 2 मई से शुक्ल यजुर्वेद का क्रमपाठ, घनपाठ, जटापाठ, मंत्रात्मक-ऋचात्मक होम संपन्न होगा जो कि 7 मई तक चलेगा। पूज्य आचार्य श्री ने इस आयोजन हेतु कहा कि यह देश के भाग्य के कपाट खोलने वाला अनुष्ठान है। यह भारत को विश्व गुरु बनाने की दिशा में प्रवृत्त करने वाला साबित होगा। वेद हमें सत्य के अनुसंधान और यथार्थ को प्रकाशित करने वाला ज्ञान देने वाले हैं।

।। रिवर डांस एवं पपेट शो ।।

जूनापीठाधीश्वर आचार्यमहामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानन्द गिरि जी महाराज के पावन सानिध्य में आयोजित प्रभु प्रेमी संघ शिविर उज्जैन के सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक मंच पर आज 2 मई को नदियों के स्वच्छ एवं प्रदुषण मुक्त रहने के संकल्प पर आधारित रिवर डांस एवं पपेट शो का आयोजन होगा

जिसमे दिल्ली एवं कलकत्ता के कलाकारों के द्वारा प्रस्तुति दी जायेगी । कार्यक्रम का संयोजन पूज्य चिदानंद सरस्वती जी द्वारा किया गया है।

।। आज से होगी मंत्रदीक्षा ।।

जूनापीठाधीश्वर आचार्यमहामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानन्द गिरि जी महाराज के पावन सानिध्य में आयोजित प्रभु प्रेमी संघ शिविर उज्जैन में पूज्य आचार्यश्री द्वारा साधकों को मंत्र दीक्षा दी जाएगी । मंत्र दीक्षा का कार्यक्रम प्रतिदिन प्रातः 09:30 से होगा।

मीडिया सेल
प्रभु प्रेमी संघ कुंभ शिविर उज्जैन
उजरखेड़ा, भूखीमाता चौराहे के पास, बड़नगर रोड, उज्जैन